रक्त सम्बंधियों के बीच विवाह से उत्पन्न बच्चों की सेहत को लेकर काफी चिंताएं व्यक्त की जाती रही हैं - समाज में भी और वैज्ञानिक जगत में भी। सवाल यह है कि इस बाबत वैज्ञानिक तथ्य क्या कहते हैं।

विवाह सम्बंध : दूर-दूर या पास-पास

डॉ.डी. बालसुब्रमण्यन

भारतीय उपमहाद्वीप की शादियों के कई विशेष गुण हैं। एक अनूठा गुण अखबारों में छपने वाले वैवाहिक विज्ञापन हैं। किसी और देश में, किसी और समाज में अखबारों में ऐसे विज्ञापन नहीं छपते। हां, *न्यू यॉर्क टाइम्स* या *वॉशिंग्टन पोस्ट* में प्रेम साथी या सहवास साथी की तलाश में विज्ञापन छपते हैं, मगर शादी के लिए इस तरह के विज्ञापन देखने को नहीं मिलते - "कॉन्वेन्ट शिक्षित सुन्दर, रंग गेहुंआ, 22/150/48, बी.कॉम., भारद्वाज, मंगली कन्या के लिए सजातीय वर चाहिए।" इंडिया एब्रॉड में छपे वैवाहिक विज्ञापन या वैवाहिक वेबसाइट तो देश की विवाह परम्परा का ही एन.आर.आई. संस्करण है। यदि किसी विदेशी को भारतीय विवाह परम्परा का कोई ज्ञान न हो, तो इन विज्ञापनों को देखकर वह निष्कर्ष निकालेगा कि भारत में शादियां आसमान में नहीं अखबारों में तय होती हैं।

बहरहाल, देश के अधिकांश भागों में ज़्यादातर शादियां ऐसे विज्ञापनों की मदद से तय नहीं होती। ये विज्ञापन तो अभी हाल के आविष्कार हैं, अधिक से अधिक 50 साल हुए होंगे। इनका उपयोग तो विकल्पों की संख्या बढ़ाने के लिए किया जाता है। आम तौर पर इनका इस्तेमाल तभी किया जाता है जब गोत्र या समुदाय में शादी तय करने के परम्परागत तरीके काम न आएं।

आज भी भारत (और पाकिस्तान व श्रीलंका) के कई समुदायों में शादी के मामले में पहली प्राथमिकता परिवार के अंदर के लोगों को ही दी जाती है। आज भी समुदाय के ही अंदर या रक्त सम्बंधियों के बीच विवाह सम्बंध ज़्यादा प्रचलित हैं, और ऐसा सदियों से रहा है। अधिकांश भारत, और खासकर दक्षिण भारत में, कई सदियों से समुदायों के अंदर ही शादियों का रिवाज़ रहा है। कुछ समुदायों में मामा-भान्जी या मामा-बुआ के बच्चों की शादी को प्राथमिकता दी जाती है। तमिल में पत्नी अपने पति को 'अथन' यानी 'बुआ का बेटा' ही कहती है। और सास के लिए 'मामीयार' शब्द का उपयोग किया जाता है जिसका अर्थ मामी है। एक ताज़ा अध्ययन में जिन एक लाख बच्चों के आंकड़े इकट्ठे किए गए उनमें से 34 प्रतिशत रक्त सम्बंधी माता पिता से पैदा हुए थे। इनमें से 18 प्रतिशत मामा-भान्जी की शादी से उत्पन्न बच्चे थे। 25 वर्ष पूर्व पॉण्डिचेरी में रक्त सम्बंधियों की शादियां कुल शादियों में से 55 प्रतिशत पाई गई थीं।

रक्त सम्बंधी शादी का अर्थ है जैविक रूप से निकट सम्बंधियों की शादी। दक्षिण भारत में यह काफी प्रचलित है मगर यह सिर्फ दक्षिण भारत तक ही सीमित नहीं है। इसका चलन मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में भी है। उत्तरी अफ्रीका में 20-25 फीसदी शादियां रक्त सम्बंधियों के बीच होती हैं। चीन, लातिन अमरीका और कुछ अन्य देशों में तथा